

फकीरी रहत निश्चिन्त सदैश,
देखण सुणन कहूँ सू न्यारा,
चेतन फक्कड़ हमेशा ॥

सतगुरु मेहर करी मुझ सेती,
दिया ज्ञान उपदेश,
सोही ज्ञान श्रद्धा कर लीना,
तजिया देश विदेश,
फकीरी रहत निश्चिन्त सदैश ॥

जो जो रूप बंधे सोई धूला,
उरु अर परे मगेश,
चौदह लोक इक्कीशु ब्रह्मांड,
ये सब सगुण देश,
फकीरी रहत निश्चिन्त सदैश ॥

रंग रूप और नहीं आकारा,
प्रकट छोड़ नहीं घेश,
अप्रमाण और सुन्न समाना,
निर्गुण कहिए विदेश,
फकीरी रहत निश्चिन्त सदैश ॥

देश विदेश भाव ये दोनु,

मान्या मन हमेश,
तीक्ष्ण खण्ड ज्ञान का गेही कर,
परिया मन नरेश,
फकीरी रहत निश्चिंत सदेश ॥

दवे भाव होता मन करघे,
सो मन रहा न लेश,
जियाराम गुरु केवल चेतन,
बन्नानाथ सोही शेष,
फकीरी रहत निश्चिन्त सदैश,
फकीरी रहत निश्चिन्त सदेश ॥

फकीरी महाशूरन की शूर ।

विषय भाव तजिया हँकारा,
करी कल्पना दूर,
तज हँकारा तजि मोहि ममता,
हुआ जगत से दूर,
फिकर तजिया तन मन का,
ले वैराग्य क्रूर,
फकीरी महाशूरन की शूर ॥

राग भोग इंद्रादि लेके,
सबको जाणिया क्रूर,
कण वस्तु इणमें नहीं कोई,
तजिया फकर लग दूर,
फकीरी महाशूरन की शूर ॥

नव निधि सिद्धि चौबीस फगर के,
हाजर खड़ी हुजूर,
फकर तजि झूठी करि इनको,
परश्या सत निज तूर,
फकीरी महाशूरन की शूर ॥

जीया राम मिल्या गुरु पूरा,
दिया ज्ञान निज मूर,
बन्ना नाथ निरखिया निज नेणों,
जाय लिया बिन अंकुर,
फकीरी महा शुरन की शूर ॥

फकीरी केवल ब्रह्म विचार ।

सत असत का किया निवेड़ा,
तजि असत सत धार ॥

जाग्रत स्वप्न शुशोपत कहिए,
ये तीनो गुण देख,
उत्पति इस्तेय ले तुरीय में,
तुरीय जाण अदेक,
फकीरी केवल ब्रह्म विचार ॥

नहीं उत्पति प्रलय मेंआवे,
तुरीय ब्रह्म सुदेक,
शब्द दिखलाया आपरा हैं न्यारा,
नित निंकलंक निर्लेश,

फकीरी केवल ब्रह्म विचार ॥

जाग्रत स्वप्न सुषुप्त माया,
ये जड़ असत क्लेश,
तुरीय सत चित आनंद अखंड,
तहाँ नहीं तिरगुण लेश,
फकीरी केवल ब्रह्म विचार ॥

तुरीय अतीत सोई तुरीय साकी,
साकी प्रेरक अखेक,
बन्ना नाथ सोई शुध्द चेतन,
नहीं कोई लेख अलेख,
फकीरी केवल ब्रह्म विचार ॥

फकीरी केवल ब्रह्म विचार,
सत असत का किया निवेड़ा,
तजि असत सत धार ॥

गायक कुशल सिंह जी भाटी ।
प्रेषक रामेश्वर लाल पँवार, आकाशवाणी सिंगर ।
9785126052

Source: <https://www.bharattemples.com/rajasthani-fikiri-bhajan/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>